

[Shri Rasa Behari Behera]

Child Development Services programme of the Central Government, Children are provided nutritious feed. For this purpose Balsevika Centres are opened at various places in the country. Under the same programme, pregnant mothers are also provided rich food. Mothers are also given education for proper bringing up of children.

There is severe scarcity of nutritious food for the mothers and babies of Kalahandi district of Orissa and many children are facing untimely death due to this. Out of the 18 lakhs of population of this district, more than 20 thousand children are suffering from diseases which are caused by malnutrition and lack of baby food. Their physical and mental growth is not possible if they are neglected any further. The baby food supplied by the Social Welfare Department through the blocks is very insufficient. There are certain complaints of gross misuse of baby food in the Golamunda block of Kalahandi district.

Due to lack of proper education, the mothers belonging to the poor community are unable to take proper care of their children. They are quite ignorant about the child welfare schemes of the Government which are under operation in this district. Therefore, I urge upon the Government to open large number of 'Bal Sevika Centres in all the 16 block of the Kalahandi district in order to train and educate the mothers to take care of their children and utilise the facilities that Government is making available to them. Social Welfare Department should implement the child welfare programmes throughout the district vigorously. Steps should be taken to save the children from untimely death by providing sufficient nutritious food. Necessary guidelines should be given to the State Government to check the misuse of baby food.

(v) NEED FOR CONSIDERATION OF DEMANDS OF THE INDIAN IMMIGRATION GULF COUNTRIES.

SHRI K. A. RAJAN (Trichur):
Sir, the representatives of the Kerala Muslim Cultural Centres in Kuwait, the United Arab Emirates and Qatar in a memorandum to the Centre through the Kerala State Governor have put forth the following demands for sympathetic consideration:—

1. Creation of a separate Union Ministry to attend speedily to their problems.

2. Setting up of a cultural centre in each Indian Embassy in Gulf region.

3. Embassies to be empowered to deal with local government and employers on problems of immigrant workers like termination of contract and accidents.

4. Each Embassy to have at least one official with a knowledge of Malayalam.

5. Reduction in the Air fares and establishment of an International Air Port at Kozhikode.

6. Customs duties to be lowered from 320 per cent to 120 per cent and freight allowance to be raised on goods worth Rs. 2000/-.

7. For more favourable terms for expatriate employees to invest their savings in Indian Banks.

8. Construction of housing colonies for families of Indians abroad.

9. Priority in allocation of cement to them against remittance from abroad.

10. Reservation of seats in Educational institutions for their children.

I urge upon the Government that the case of Indian immigrants in Gulf countries whose annual remittances go to bolster the nation's depleting foreign exchange reserves, be taken into serious consideration.

(vi) NEED FOR A LOCAL TRAIN BETWEEN
BHAUDARS ROAD TO JAWAHAR
NAGAR DEFENCE FACTORY IN MAHARASHTRA

श्री केशव राव पारधी (भंडारा) : सभापति महोदय, महाराष्ट्र राज्य के जिला भंडारा में जवाहर नगर (सर्वजननगर) में डिफेंस फैंक्टरी स्थापित है। जवाहर नगर तक भंडारा रोड से एक रेल लाइन पहले से ही बिछाई हुई है, किन्तु इस लाइन पर अभी तक एक भी लोकल ट्रेन नहीं चलती है जिसके कारण डिफेंस फैंक्टरी के कर्मचारियों को बहुत अधिक अमुविधा का सामना करना पड़ता है। डिफेंस फैंक्टरी के कर्मचारियों की तथा भंडारा जिले के निवासियों की कार्फां दिनों से लगातार मांग चली आ रही है कि भंडारा रोड से जवाहर नगर डिफेंस फैंक्टरी तक एक लोकल ट्रेन चलाई जाए, जिससे कि प्रतिदिन आने-जाने वाले यात्रियों को परेशानी न हो। इय सन्बन्ध में मैं पहले कई बार रेल मंत्री जी, एवं रेलवे विभाग को कई पत्र लिख चुका, किन्तु दुःख है कि अभी तक कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है। भूतपूर्व रेल मंत्री ने अपने पत्र में लिखा था कि भंडारा रोड से जवाहर नगर के लिए बस सेवा चालू है, जिसके द्वारा समस्त कर्मचारी उससे आ-जा सकते हैं। यहां की जनता बहुत ही गरीब एवं पिछड़े वर्ग की है। बस का किराया अधिक होने के कारण, यहां की गरीब जनता उस किराये का बोझ उठाने के लिए असमर्थ है, यदि एक लोकल ट्रेन आरम्भ कर दी जाती है तो यहां की जनता को कम किराये में काम चल सकता है। भंडारा शहर की आबादी एक लाख से भी अधिक है, जिसका फायदा यहां के निवासियों को भी मिलेगा।

मैं माननीय रेल मंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि वह भंडारा रोड से जवाहर नगर डिफेंस फैंक्टरी तक एक लोकल ट्रेन चलाने के लिए अविलम्ब प्रावश्यक कदम उठाने का कष्ट करें जिससे कि यहां की जनता को राहत मिल सके।

(vii) NEWB COVERAGE ON NATIONAL ISSUES BY ALL INDIA RADIO

श्री राम बिलास पासवान (हार्जीपुर) सभापति महोदय, बड़े खेद के साथ कहना पड़ता है कि राष्ट्रीय मसलों पर आकाशवाणी का रवैया सही नहीं है।

देश में जनमत कायम करने में आकाशवाणी का सब से बड़ा हाथ है। लेकिन अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के आरक्षण के प्रश्न पर आकाशवाणी का जो रवैया रहा है, उसे निष्पक्ष नहीं कहा जा सकता। यदि आप आकाशवाणी के सभाचार बुन्दितों को देखें, तो जब से गुजरात में आरक्षण-विरोधी आन्दोलन शुरू हुआ, तब से आकाशवाणी ने आरक्षण के समर्थन में दिए गये वक्तव्यों को कम, लेकिन आरक्षण-विरोधी वक्तव्यों को अधिक उजागर किया है। दिनांक 30-3-81 राति में कुछ संविधान निर्माताओं का नाम ले कर आरक्षण के विरोध में जो नही प्रसारण करता चाहिए, वह भी प्रसारित कर दिया गया। यहां तक कह डाला गया कि इन लोगों ने मांग की है कि न सिर्फ सरकारी नौकरियों में, बल्कि विधायिका क्षेत्रों में भी आरक्षण को गुरल खत्म कर देना चाहिए। लेकिन अब उन वक्तव्य की निन्दा करने हुए पांच संसद-सदस्यों ने आरक्षण के पक्ष में वक्तव्य दिया, तो उसकी बिल्कुल उपेक्षा कर दी गई।

इसके पहले भी सदन में गृह राज्य मंत्री द्वारा आन्दोलन में एक राजनीतिक पार्टी का हाथ होने का आरोप लगाया गया था, लेकिन इस पार्टी के एक दर्जन से अधिक संसद-सदस्यों एवं नेताओं ने जब उसका प्रतिवाद किया और आरक्षण के पक्ष में वक्तव्य दिया, तो उसे प्रसारित नहीं किया गया।

आरक्षण का सवाल इतना नाजुक है कि आकाशवाणी की थोड़ी सी भूल विस्फोट